भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
Dated-21st October, 2021

भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा 18 से 24 अक्तूबर 2021 तक "आजादी का अमृत महोत्सव" मनाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत विभाग द्वारा अनेक ज्ञानवर्धक एवं मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इस अवधि में विभाग के वैज्ञानिकों द्वारा मौसम विज्ञान से जुड़े विषयों पर "व्याख्यान श्रृंखला" का भी आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में डॉ. के.के.सिंह वैज्ञानिक 'जी' तथा श्रीमती सरिता जोशी के समन्वय से आज प्रातः 11.30 बजे से 12.30 बजे तक विभाग के मुख्यालय द्वारा दृष्टि बाधित छात्रों/अध्यापकों के लिए वर्चुअल माध्यम से एक व्याख्यान रखा गया जिसमें मौसम केंद्र, लखनऊ के प्रमुख तथा वैज्ञानिक 'एफ' श्री जे. पी. गुप्ता ने दृष्टि बाधित छात्रों/अध्यापकों को " मौसम और जलवायु सेवाएं" विषय पर व्याख्यान दिया जिसमें बड़ी संख्या में दृष्टि बाधित छात्रों/अध्यापकों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य देश के दृष्टि बाधित छात्रों को आमजन से जुड़े 'मौसम' जैसे महत्त्वपूर्ण विषय पर जानकारी प्रदान करना तथा उनकी जिज्ञासा को शांत करना था ताकि वे भी भारत मौसम विज्ञान विभाग की महत्त्वपूर्ण कार्य प्रणाली एवं उपलब्धियों के विषय में समझ सकें।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र ने कार्यक्रम में जुड़े सभी छात्रों तथा अध्यापकों का स्वागत किया। उन्होंने विश्वास जताया कि इस व्याख्यान से सभी छात्र और अध्यापक अवश्य लाभान्वित होंगे क्योंकि मौसम एक ऐसी घटना है जो समाज के हर वर्ग को प्रभावित करती है और इसकी पूर्वानुमान प्रणाली के विषय में जानने के लिए सभी उत्सुक रहते हैं। विशेष रूप से दृष्टि बाधित छात्रों के लिए इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन निश्चित ही उन्हें मौसम और जलवायु के विषय में और अधिक जानने के लिए प्रेरित करेगा।

व्याख्यान के दौरान भारत मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र ने "मौसम और जलवायु विज्ञान सेवाएं" विषय पर व्याख्यान के ब्रेल लिपि में उपलब्ध कराए गए दस्तावेज़ का विमोचन भी किया तथा समन्वयकर्ता को इसकी प्रतियाँ अन्य दृष्टिबाधित छात्रों को उपलब्ध कराने का सुझाव दिया।

मौसम विज्ञान के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र ने ब्लाइंड रिलीफ़ एसोसिएशन को ब्रेल लिपि में दस्तावेज़ उपलब्ध कराने के लिए धन्यवाद दिया।

श्री जे. पी. गुप्ता ने अपने व्याख्यान में अत्यंत सरल भाषा में दृष्टि बाधित छात्रों को '**भारत में मौसम पूर्वानुमान प्रणाली'** के विषय में जानकारी प्रदान की जिसमें विभाग की मौसम पूर्वानुमान सेवाएं,चेतावनी प्रणाली, जलवायु से जुड़े विषयों, चेतावनियों के प्रकार यथा चक्रवात चेतावनी प्रणाली, भारी वर्षा, बाढ़, लू, पाला, गरज के साथ तूफान आदि जैसी अनेक विनाशकारी मौसम की चरम घटनाओं की चेतावनी आदि के विषय में बताया।

व्याख्यान के अंत में छात्रों तथा अध्यापकों ने अनेक रोचक प्रश्न पूछ कर अपनी जिज्ञासा शांत की।

कार्यक्रम के समन्वयकर्ता डॉ. के.के.सिंह द्वारा बताया गया कि कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से जुड़े सभी छात्रों को ई-प्रमाणपत्र भी प्रदान किए जाएंगे।

ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन के प्रधानाचार्य तथा कार्यकारी सचिव ने भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा दृष्ट बाधित छात्रों तथा अध्यापकों हेतु आयोजित किए गए व्याख्यान की प्रशंसा की तथा बताया कि इससे उनके छात्र अवश्य लाभान्वित होंगे।

कार्यक्रम के अंत में श्रीमती सरिता जोशी, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने सभी उपस्थित छात्रों, विद्यालयों सहित सभी महानुभावों को धन्यवाद ज्ञापित किया।